BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी मंगलवार विक्रम संवत् 2079। 12 जुलाई 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

विधानसभा के शताब्दी समापन समारोह में होंगे शामिल

मोदी आज पटना में, विधानसभा आने वाले पहले प्रधानमंत्री होंगे

शताब्दी स्मृति स्तंभ | ऊंचाई 40 फीट | पक्का निर्माण 25 फीट | कांस्य हिस्सा 15 फीट | परिसर का जायजा लेते सीएम-स्पीकर।

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत अमृत महोत्सव तथा बिहार विधान सभा भवन शताब्दी समापन समारोह में भाग लेने के लिये 12 जुलाई को शाम सवा 5 बजे पटना आयेंगे। शाम 5.55 में बिहार विधानसभा पहुंचेंगे। 7.05 बजे दिल्ली के लिये रवाना हो जायेंगे। विधानसभा परिसर में बने पंडाल में जहां प्रधानमंत्री संबोधन करेंगे उस मंच पर प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विस अध्यक्ष, विधान परिषद सभापति, विस उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी, उपमुख्यमंत्री रेणु देवी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहेंगे।

मंच पर बैठने वाले डिप्टी सीएम तारकिशोर, मंत्री विजय चौधरी, विजेन्द्र यादव कोरोना पॉजिटिव

मंच पर बैठने वाले उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी कोरोना हो जाने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। वहीं ऊर्जा मंत्री विजेन्द्र यादव और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह भी पॉजिटिव हैं। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी दोबारा जांच में भी पोजेटिव पाये गये हैं।

5.20 बजे पहुंचेंगे पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पटना में रहेंगे। उनका आगमन शाम 5:20 बजे पटना एयरपोर्ट पर होगा। यहां 30 मिनट रूकेंगे। 5:50 में विधानसभा के लिए रवाना होंगे। यहां एक घंटे का कार्यक्रम है। फिर लौट जाएंगे।

प्रधानमंत्री का कार्यक्रम

- शताब्दी स्मृति स्तंभ अनावरण
- कल्पतरू पौधे का रोपण
- बिहार विधान सभा संग्रहालय अतिथि निवास का शिलान्यास
- विधानसभा के इतिहास से जुड़ी पुस्तक का विमोचन
- विस परिसर में बने सभा स्थल में पीएम का संबोधन

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 12.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

देश की पहली वन हेल्थ लैब एसकेएमसीच में

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया उद्घाटन, बोले-लैब की शुरुआत बिहार से होना गर्व की बात

मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। एसकेएमसीएच में सोमवार को होमी भाभा कैंसर अस्पताल व अनुसंधान केंद्र के सौजन्य देश की पहली वन हेल्थ लैब शुरू हुई। इसका उद्घाटन सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया। उन्होंने कहा कि इस लैब की शुरुआत बिहार से होना गर्व की बात है। एसकेएमसीएच में इस लैब को टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के तकनीकी सहयोग से पैथोलॉजी विभाग और डॉक्टर्स फॉर यू संस्था की ओर से संचालित किया जाएगा।

वहीं, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि इस लैब में जीनोम सिक्वेंसिंग की जा सकेगी। इससे किसी व्यक्ति को किस प्रकार का कैंसर है, उसका पता चल चलेगा। अभी कैंसर का पता करने के लिए बायोप्सी, एमआरआई या सिटी स्कैन किया जाता है। जीनोम सिक्वेंसिंग के माध्यम से प्रसव के पूर्व ही बच्चे की जांच कर उसके जन्म से पहले की बीमारी की पहचान की जा सकती है। इसके अलावा जानवरों में होने वाली बीमारियों और प्रदूषण का मनुष्य पर होनेवाले असर के बारे भी इस लैब में शोध किया जाएगा। मौके पर एसकेएसमीएच के प्राचार्य डॉ. विकास कुमार, अधीक्षक डॉ. बाबू साहेब झा, पैथेलॉजी विभाग के हेड प्रो. मनोज कुमार, माइक्रोबायोलॉजी की हेड प्रो. पूनम कुमारी, डॉ. ब्रजेश कुमार, डॉक्टर्स फॉर यू के रजत जैन, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जेपी मंडल, सिविल सर्जन डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, आरएडी डॉ. ज्ञान शंकर, भाजपा जिलाध्यक्ष रंजन कुमार मौजूद रहे। डॉ. रविकांत ने बताया कि वन हेल्थ लैब शुरू करने के लिए एक निजी दवा कंपनी ने 100 करोड़ रुपये दिए हैं।

01 सौ करोड़ रुपए एक दवा कंपनी ने दिया है

- बीमारियों के साथ-साथ प्रदूषण से होनेवाले असर पर होगा शोध
- लैब में किसी को किस प्रकार का कैंसर है यह पता चल जाएगा

एसकेएमसीएच में सोमवार को देश की पहली हेल्थ लैब का निरीक्षण करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे।

2024 में तैयार होगा 250 बेड का कैंसर अस्पताल

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एसकेएमसीएच में वर्ष 2024 के जून तक 250 बेड का कैंसर अस्पताल तैयार हो जाएगा। इसकी लागत तीन सौ करोड़ रुपये होगी। इस दिशा में जोर-शोर से काम चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने लैब के उद्घाटन से पहले अस्पताल बनने की जगह का भी निरीक्षण किया और नक्शा देखा। उन्होंने कहा कि लैब शुरू हो जाने के बाद लोगों को इलाज के लिए बिहार से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

नार्वे के विवि से होगा एमओयू साइन

होमी भाभा कैंसर अस्पताल के प्रभारी डॉ. रविकांत ने बताया कि लैब खुलने के बाद नार्वे के ओस्लो विवि से एमओयू साइन करने वाले हैं। इससे एसकेएमसीएच के छात्र नार्वे जाकर पीएचडी कर सकेंगे। यह पीएचडी बिहार के विषयों पर ही की जाएगी। नार्वे के ओस्लो विवि से भी छात्र एसकेएमसीएच में पढ़ने आएंगे।

समीक्षा बैठक में बोले मंत्री, चमकी-बुखार को लेकर रहें अलर्ट

मुजफ्फरपुर। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सोमवार को एसकेएमसीएच में एईएस को लेकर समीक्षा बैठक की। इससे पहले उन्होंने पीकू के एईएस वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि एईएस को लेकर अभी अलर्ट रहने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि एईएस पर प्रभावी नियंत्रण के मद्देनजर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये गए प्रयास सराहनीय है। फिर भी वर्तमान में तापमान और उमस में वृद्धि को देखते हुए अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

मंत्री सीधे पहुंचे पीकू, किसी के नहीं रहने पर नाराज : वन हेल्थ लैब का उद्घाटन करने आए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सीधे एसकेएमसीएच की पीआईसीयू पहुंच गए। वहा अस्पताल के किसी अधिकारी को नहीं पाकर नाराज हो गए। यह वाकया तब हुआ जब एसकेएमसीएच के सभी अधिकारी कॉलेज के बाहर मंत्री का इंतजार कर रहे थे, लेकिन दूसरे रास्ते से सीधे मंत्री पीकू पहुंच गए।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 12.07.2022 | पृष्ठ सं० 9

सजगता • पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक छोड़ डिजाइनर जूट बैग अपना रहे युवा

मधुबनी पेंटिंग, टिकुली और एप्लिक के डिजाइन वाले बैग किए जा रहे पसंद

सिटी रिपोर्टर, पटना

बिहार समेत पूरे देश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू हो गया है। प्लास्टिक की पॉलीथिन और अन्य चीजें बंद होने की वजह से लोग पेपर के हैंड बैग, जूट बैग और कॉटन के हैंडबैग की तरफ रुख कर रहे हैं। खादी मॉल के डिजाइनर बताते हैं कि सिंगल यूज प्लास्टिक बंद होने से लोग कॉटन बैग और जूट बैग खरीद रहे हैं क्योंकि यह लंबे वक्त तक चलते हैं और इसकी वजह से पर्यावरण को नुकसान भी नहीं होता है।

इन बैग की कीमत 40 रुपए से शुरू होकर 600 रुपए तक जाती है। मार्केट में अभी विभिन्न डिजाइन के बैग मौजूद हैं। होलसेलर अमित रंजन बताते हैं कि सिंगल यूज प्लास्टिक बंद होने की वजह से प्रदेश के अलग-अलग जिलों से हैंडमेड पेपर बैग और कॉटन बैग के ऑर्डर आ रहे हैं। यह बैग पर्यावरण को बचाते हैं साथ ही, लंबे वक्त तक चलते हैं।

मिट्टी और पानी को बचाना है जैसे स्लोगन वाले बैग भी बाजार में

खादी मॉल के डिजाइनर सुभाष बताते हैं कि कॉटन बैग की मांग बढ़ी है। इसकी क्वालिटी अच्छी होती है। इसकी कीमत 40 रुपए से शुरू होती है और 600 रुपए तक जाती है। जूट बैग पर मधुबनी पेंटिंग, टिकुली और एप्लिक का किया गया है। इसे लोग खरीदना पसंद करते हैं। मिट्टी और पानी को बचाना है. गौरैया को बचाना है जैसे स्लोगन वाले बैग खरीदे जाते हैं।

होलसेलर राजीव आदर्श बताते हैं कि मार्केट में पेपर बैग को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोग धीरे-धीरे इसकी तरफ रुख कर रहे हैं। प्लास्टिक के बंद होने से कॉटन बैग और जूट बैग को बढ़ावा मिलेगा। रेस्टोरेंट और मिठाई के दुकानदारों ने पेपर थैली के लिए ऑर्डर दिया है। ज्यादा ऑर्डर पटना, बेगूसराय और हाजीपुर से आ रहे हैं।

खरीदारी के लिए चाहिए मजबूत बैग

शॉपिंग करने वाली सुनीता मिश्र ने बताया कि प्लास्टिक बंद होने की वजह से जूट बैग खरीदने वह यहां आई हैं। पेशे से हाउसवाइफ सुनीता बताती हैं कि प्लास्टिक का सबसे ज्यादा इस्तेमाल सब्जी लाने के लिए होता है। एक जूट का बैग कम से कम एक साल चलेगा। इसलिए वह बैग लेना चाहती है। खरीदारी करने आए सुरेंद्र झा ने बताया कि घर के लिए कुछ मजबूत बैग लेने हैं जिनका इस्तेमाल रोज के दिनों के लिए किया जा सकता है। रोज की खरीदारी के लिए प्लास्टिक बैग पर निर्भर नहीं हो सकते हैं। अब तो दुकानदार भी प्लास्टिक बैग देने से बचते हैं।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 12.07.2022 | पृष्ठ सं० 07

उपलब्धि: जेईई मेन में पूर्वी चंपारण के आदित्य अजेय बने बिहार टॉपर

■ अभिषेक कुमार

पटना। जेईई मेन का रिजल्ट सोमवार को जारी कर दिया गया है। एनटीए की वेबसाइट पर छात्र रिजल्ट देख सकते हैं। परीक्षा में पूर्वी चंपारण निवासी आदित्य अजेय ने 99.99 परसेंटाइल अंक लाकर बिहार में टॉप किया है। इस बार बिहार से किसी छात्र को सौ परसेंटाइल अंक नहीं मिले हैं।

आदित्य बिहार के पूर्वी चंपारण के पताही प्रखंड के बेलाहीरम गांव के रहने वाले हैं। इनके पिता अजय कुमार सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। आदित्य ने जेईई मेन की तैयारी कोटा से की है। वर्ष 2020 में ऑनलाइन तैयारी की। दूसरी चरण की परीक्षा के लिए भी आवेदन किया है। आदित्य की दसवीं तक की शिक्षा रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ देवघर से हुई है। बारहवीं की पढ़ाई चकिया, मोतिहारी के लबाना स्कूल से की। दसवीं में 98 प्रतिशत अंक मिले थे। 12वीं में अच्छे अंक की उम्मीद है। आदित्य का सपना आईआईटी मुंबई में कंप्यूटर साइंस लेकर पढ़ने का है। जेईई एडवांस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

संबंधित खबर P04

99.99
परसेंटाइल अंक आया आदित्य को, बिहार के किसी को सौ परसेंटाइल अंक नहीं

आदित्य अजेय।

देश में 14 छात्रों को मिले शत प्रतिशत अंक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जेईई-मेन के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिर, जिसमें 14 उम्मीदवारों ने 100 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं।

ब्योरा P04

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 12.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

मिसाल • मुक्ता सक्षम उत्पादक समूह 2014 से अब तक 30 से ज्यादा भिक्षुकों को बना चुका है आत्मनिर्भर

भिक्षु जूट से बैग व थैले बनाने की ले रहे ट्रेनिंग

जूही स्मिता ▷ पटना

समाज कल्याण विभाग की ओर से भिक्षुकों को रोजगार देने के लिए और उन्हें भिक्षावृत्ति करने से रोकने के लिए भिक्षुकों का समूह बनाया गया. इसका नाम मुक्ता सक्षम उत्पादक समूह रखा गया. इसमें भिक्षुकों को जूट से बनने वाली चीजों की ट्रेनिंग दी जाती है और विभिन्न जगहों से मिलने वाले ऑर्डर भी इनके द्वारा तैयार किये जाते हैं. साल 2014 में समाज कल्याण विभाग की ओर से पांच लाख रुपये का अनुदान किया गया था. अभी यह सेंटर शिवपुरी स्थित सेवा कुटीर में चलाया जा रहा है.

मुक्ता सक्षम उत्पादक समूह के चेयरमैन लाल मो मस्तान बताते हैं कि इस समूह में 14 लोगों का है. ये वे लोग हैं, जिन्होंने पहले ट्रेनिंग ली और अब दूसरों को ट्रेनिंग देते हैं. ट्रेनिंग के दौरान इन्हें जूट का बैग, फोल्डर, फाइल फोल्डर, बोतल रखने वाला बैग, हैंगिंग बैग, स्लिंग बैग आदि बनाना सिखाया जाता है. यहां ट्रेनर की ओर से सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक ट्रेनिंग दी जाती है. यहां आने वाले कुछ भिक्षुक एक महीने, तो कुछ 2-3 महीने में सारा कुछ सीख जाते हैं. एक दिक्कत यह है कि ट्रेनिंग लेने के बाद भी कुछ ही भिक्षुक इससे जुड़े रहते हैं. हमारे पास एक ठेला भी है, जिसे राशिद लेकर घूमते हैं और उत्पाद को बेचते हैं.

सर्वे के बाद भिक्षुकों को मिलती है ट्रेनिंग

ट्रेनर सुमन कुमारी बताती हैं कि सबसे पहले तो अलग-अलग जगहें जहां भिक्षुक होते हैं, उन्हें चिह्नित कर सर्वे किया जाता है. जैसे स्टेशन के पास महावीर मंदिर, राजवंशी नगर, हाइकोर्ट मजार, चितकोहरा पुल के नीचे, बहादुरपुर आदि हैं. सर्वे में उनकी आर्थिक स्थिति, इस पेशे में कैसे आये आदि के बारे में जानकारी ली जाती है और फिर इस पहल

मूख-बधिर भिक्षुक भी बनाते हैं ऑर्डर : 2014 में भगत राम और कल्लू राम दोनों इस समूह से जुड़े. ये दोनों मूख-बधिर हैं. समूह से जुड़ने के बाद से वे समूह में मिलने वाले ऑर्डर तैयार करने में योगदान भी देते हैं.

कोरोना काल में आर्थिक स्थिति ज्यादा खराब हो गयी. इसके बाद मैंने भिक्षा मांगना शुरू किया. पिछले साल सुमन दीदी ने इस पहल के बारे में बताया और मैंने इस समूह से जुड़ी. आज मैंने सुब कुछ बनाना सीख लिया है और अब महीने के पांच हजार रुपये कमा लेती हूं.

तनु, राजवंशी नगर

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 12.07.2022 | पृष्ठ सं० 7

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	2270
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	344
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	175
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,85,07,256
⇒ कम से कम एक डोस	7,15,94,344
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,25,39,081

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.